(ग) *रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है?*

(घ) *एक को साधने से सब कैसे सध जाता है?*

(ङ) *जलहीन कमल की रक्षा सूर्य भी क्यों नहीं कर पाता?*

(च) *अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?*

(छ) *'नट' किस कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?*

(ज) *'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।*

उत्तर–(क) प्रेम का संबंध विश्वास पर आधारित होता है। जब विश्वास खंडित होता है तो संदेह पैदा होता है। संदेह होने पर संबंधों की घनिष्ठता समाप्त हो जाती है। इसलिए प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति नहीं हो पाता।

(ख) संसार में दूसरे के दुःख का मज़ाक उड़ाया जाता है। इसलिए अपना दुःख अपने मन में रखना चाहिए। कोई भी दुःख को बाँटता नहीं।

(ग) सागर से किसी की प्यास नहीं बुझती। वह आम आदमी के काम नहीं आता। इसलिए सागर के जल को व्यर्थ कहा गया है। पंक जल से जीवों की प्यास मिटती है। इसलिए कवि ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य कहा है।

(घ) एक को साधने से सारे कार्य सिद्ध हो जाते हैं जिस प्रकार जड़ को सींचने से फल-फूल स्वयं मिल जाते हैं।

(ङ) कमल की सम्पत्ति जल है। जल समाप्त होने पर कमल का आधार समाप्त हो जाता है। इसलिए सूर्य कमल की रक्षा नहीं कर सकता।

(च) चित्रकूट में मानव की विपदा दूर हो जाती है। जब अवध नरेश पर विपदा आई तो उन्हें चित्रकूट जाना पड़ा।

(छ) नट अपने शरीर को सिकोड़ सकता है। इस कला के कारण वह कूदकर चढ़ जाता है। वह कुंडली में सिमट जाता है।

(ज) कवि ने पानी के तीन अर्थ लिए हैं–चमक, सम्मान तथा जल। मोती में अगर चमक नहीं है तो उसकी कीमत नहीं होती। मनुष्य का सम्मान नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है तथा चून को भिगोने के लिए पानी की जरूरत होती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) *टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय।*

(ख) *सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।*

(ग) *रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूलै फलै अघाय।*

(घ) *दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं।*

(ङ) *नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।*

(च) *जहाँ काम आवे सुई, तहा करे तरवारि।*

(छ) *पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।*

उत्तर–(क) कवि कहता है कि प्रेम संबंध एक बार टूटने के बाद फिर नहीं जुड़ते। जब वे जुड़ते हैं तो उनमें गाँठ पड़ जाती है। कहने का अभिप्राय है कि संबंध विश्वास पर आधारित होते हैं। विश्वास टूटने पर संदेह पैदा होता है।

(ख) संसार में दुःख पड़ने पर लोग मज़ाक उड़ाते हैं। वे किसी के दुःख को बाँटते नहीं। कवि कहता है कि संसार का नियम है कि कष्ट में मज़ाक उड़ाया जाता है।

(ग) कवि कहता है कि जड़ सींचने पर ही फल-फूल मिलते हैं अर्थात् मुख्य व्यक्ति को प्रसन्न करने पर ही लाभ होता है।

(घ) कवि कहता है कि दोहे में अक्षर थोड़े होते हैं, परंतु उसका अर्थ बहुत बड़ा होता है।

(ङ) कवि बताता है कि संगीत पर रीझकर हिरण अपना शरीर दे देता है और आदमी धन का दान करते हैं।

(च) कवि वस्तु की उपयोगिता के बारे में बताता है। जहाँ सुई काम आती है, वहाँ तलवार काम नहीं आती।

(छ) रहीम ने पानी के महत्त्व को बताया है। वह कहता है कि मोती, मनुष्य तथा चून को पानी अर्थात् चमक, सम्मान तथा जल की जरूरत होती है। इसके बिना वे बेकार होते हैं।